

6/4/26 पत्रा. पेश।

वादी ने धारा 88, 89 एवं 188 अंतर्गत के तहत बाद पेश किया है।

तन्वीवार निर्णय निम्न प्रकार से है -

तन्वी 1- वादी ने वादग्रस्त भूमि की खरीद का कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है। वादी मौखिक तौर पर कथ की बात कर रहा है व अपंजीकृत अंतरात्तम

के आधार पर खातेदारी अधिकाृत मांग रहा है जो कि वादी को नहीं दिए जा सकते। वादी के वादग्रस्त कब्जा भी नहीं स्थापित किया है कब्जे के आधार पर भी वादी को खातेदार नहीं बनाया जा सकता है।

तन्वी 2- वादी ने अपने कथन को सिद्ध करने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं किए हैं कब्जे के आधार पर बैसे भी वादी को खातेदार नहीं घोषित किया जा सकता है।

तारीख
क्रमांक

तन्की 3 - वारी इकरारनामे के
Basis पर खातेदारी माँग रहा
है बिना किसी बिक्रम पत्र या
अप्रीकृत दस्तावेज के आधार
पर वारी पत्रिकाट घोषित नहीं
किया सकता। इकरारनामा
अप्रीकृत दस्तावेज जिनके आधार
पर खातेदारी अधिकार नहीं दिष्ट
जा सकते।

तन्की 4 - क्योंकि वारी वादग्रस्त
क्षेत्र पर अपने खातेदारी अधिकार
स्थापित नहीं कर पाया है।
अतः वारी एघार्ड निवेद्याला का
हकदार भी नहीं है।

तन्की 5 - ऐसा कोई दस्तावेज
नहीं है जिससे बैचान प्रमाणित
है सक्ता वारी का वादग्रस्त नुमि
पर कोई हक नहीं है।

तन्की 6 - न्यायालय नुमि का
खातेदार ~~संबंधित~~ घोषणा करने
में सक्षम है। मुआवजा से
संबंधी issue इस न्यायालय
का क्षेत्राधिकार नहीं है।

che
उपखण्ड अधिकारी
रामगंजमण्डी

तारीख
संख्या

मुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
मुकम की तामील
में जारी हुए

तजकी 7- बादग्रह्त मूत्रि राजद्व
अभिलेखो में कृषि मूत्रि अंकित हैं
व न्यायालय के वीत्राधिकार में हैं।
इसके संबंधित खालेदारी व खार्ड
निषेधाजा का दावा सुनने में यह
न्यायालय सक्षम है।

अतः सम्पूर्ण दस्तावेजो, साक्ष्य
व बयानो को देखते हुए
बादी अपना कथन सिद्ध
नहीं कर पाया है। बादी कोई
साक्ष्य पैरा नहीं कर पाया है
जिससे बादग्रह्त आशती में उसे
खालेदारी अधिकार व खार्ड
निषेधाबा मिल सके।

अतः बादी को का वाद खारिज
किए जाने योग्य है।

निर्णय आज दिनांक 6/4/20 को
सुनाया गया।

पत्रावली फंसल सुमार होकर
दाखिल दफतर है।



Che
6/4/20
उपखण्ड अधिकारी
समस्त जिले के जज